


ख. प्र. वि. क्र. ०५

5 X
17

वादी स. ०२, अत्याचार में उपस्थित
है। अन्य विहीन पत्र की ओर से
अत्याचार का खतम होना
युक्त विधिपूर्वक अत्याचार-विरोध।

आदेशों का पालन अवधि समाप्त
हो चुका है। अतः वाद श्री. दीपवर्मा
समाप्त श्री. जाती है।


05/11/17